सांध्य दैनिक

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 10 अंक : 175 | इंदौर, गुरुवार 09 जनवरी, 2025 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

मप्र में दर्दनाक हादसा, झोपड़ी में लगी आग में जिंदा जल गईं 3 बच्चियां, 2 की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

दमोह। मध्यप्रदेश के दमोह जिले में दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां घास के एक घर में आग लगने की वजह से तीन बच्चियां जिंदा जल गईं। इस हादसे में दो बच्चियों की मौत हो गई, जबकि एक की हालत गंभीर है। हादसे में पूरी तरह जल चुकी तीसरी बच्ची को ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया है।

इस घटना की जानकारी देते हुए दमोह के जिला डीएम सुधीर कोचर ने बताया कि पीड़ित परिवार गोविंद आदिवासी अपने पूरे परिवार के साथ खेतों की रखवाली कर रहा था। बुधवार की रात को परिवार झोपड़ी में आलू भून रहा था। इस दौरान झोपड़ी के फूस में चिंगारी पड़ गई। चिंगारी ने देखते-देखते विकराल रूप धारण कर लिया और पूरे घर को आगोश में ले लिया। इस दौरान वहां खेल रहीं तीन बच्चियां भी आग की चपेट में आ गईं और दो की मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार, आलू उबालने के दौरान जब झोपड़ी में आग लगी तो एक बच्ची घर के अंदर थी। आग लगने के बाद मची चीख-पुकार के बाद दो और बहने उसे बचाने के लिए अंदर गईं और आग की आगोश में समा गईं। झोपड़ी में लगी आग की घटना ने दो जिंदगियों को लील लिया और तीसरी बच्ची जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रही है।

घटना के बाद बच्चियों को अस्पताल ले जाया गया था। वहां डॉक्टरों ने दो को मृत घोषित कर दिया जबकि, तीसरी बच्ची को ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया है। डॉक्टरों ने बताया कि तीनों ही बच्चियां 100 प्रतिशत जल गई थीं। उनमें से दो को नहीं बचाया जा सका है तीसरी को फिलहाल ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया है।

इस घटना को लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने दुख जताया है। अपना दुख व्यक्त करते हुए सीएम मोहन यादव ने मृतक बच्चियों को परिजनों को 2-2 लाख रुपए देने का ऐलान किया है। इसके साथ ही घायल बच्ची के लिए भी सीएम ने एक लाख रुपए की घोषणा की है।

भोपाल की जिस सेंट्रल जेल में बंद हैं 69 आतंकवादी

वहां हाई सिक्योरिटी बैरक के पास मिला ड्रोन कैमरा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। भोपाल की सेंट्रल में सुरक्षा को लेकर भारी लापरवाही सामने आई है। 26 जनवरी से पहले जेल के अंदर एक ड्रोन कैमरा मिला है। यह कैमरा हाई सिक्योरिटी बैरक से करीब दो सौ मीटर दूर उस स्थान पर मिला, जहां पर नई बैरिक बनाई जा रही है। ड्रोन कैमरा मिलने के बाद जेल विभाग और भोपाल पुलिस हाई अलर्ट पर आ गई है। प्रारंभिक जांच में ड्रोन के कैमरे में किसी प्रकार की संदिग्ध जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इसकी टेक्निकल जांच कराई जा जाएगी। बताया जाता है कि यह ड्रोन चाइना मेड है, जिसे बच्चे खिलौने के लिए इस्तेमाल करते हैं।

जेल अधीक्षक राकेश भांगरे ने बताया कि केंद्रीय जेल परिसर स्थित (ब) खंड हाई सिक्योरिटी जोन में आता है। यहां पर खूंखार कैदी और सिमी के कुख्यात आतंकी बंद हैं। इस बैरक के पास स्थित हनुमान मंदिर के पीछे नई बैरकों का निर्माण कार्य चल रहा है। बुधवार शाम करीब साढ़े तीन बजे एक जेल प्रहरी राउंड लगाने पहुंचा था। हाई सिक्योरिटी जोन से करीब दो सौ मीटर दूर खोदे गए गड्ढे के पास उसे एक संदिग्ध वस्तु दिखाई दी। वह नजदीक पहुंचा तो पता चला कि वह ड्रोन कैमरा था। इसकी सूचना सिपाही ने तत्काल ही जेल प्रबंधन और वरिष्ठ अधिकारियों को दी।

बरामद हुए ड्रोन की जांच शुरू

ड्रोन कैमरा मिलने पर जेल प्रबंधन और अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए। वह तत्काल ही जेल पहुंचे और ड्रोन की जांच शुरू की। प्रारंभिक पड़ताल में पता चला कि ड्रोन के अंदर बैटरी लगी हुई है और दो कैमरे भी फिट थे। इन कैमरों के अंदर क्या रिकॉर्ड हुआ है, इसका खुलासा नहीं किया गया है। ड्रोन में बाकायदा लाइटें भी लगी हुई थीं। जेल अफसरों का अनुमान है कि यह चाइना मेड ड्रोन है, जिसे बच्चे खेलने के लिए इस्तेमाल करते हैं।

सेंट्रल जेल में बंद हैं 69 आतंकी

भोपाल स्थित सेंट्रल जेल में स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी), पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई), हिज्ब उत तहरीर (एचयूटी) और इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) जैसे आतंकवादी संगठनों से जुड़े कुल 69 आतंकवादी बंद हैं। इन्हें रोजाना सुबह ढाई घंटे और शाम को एक घंटे के लिए बैरक से बाहर निकाला जाता है, ताकि वह अपने दैनिक काम कर सकें। इन आतंकियों पर दो प्रहरी हर समय नजर रखते हैं। बताया जाता है कि आतंकी कामरान, अबू फैजल, शिबली और कमरुद्दीन को छोड़कर बाकी सभी 65 आतंकियों को जेल मैन्युअल के हिसाब से परिजनों से मिलने की और कैंटीन की सुविधा मिलती है। जेल के अंदर ड्रोन की सूचना मिलते ही गांधी नगर पुलिस की टीम तत्काल ही घटनास्थल पहुंच गई थी। टीम ने इस मामले की जांच भी शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के इलाके में मौजूद सॉफ्टवेयर टेक्नालॉजी पार्क के लोगों से पूछताछ कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कोई व्यक्ति ड्रोन का परीक्षण तो नहीं कर रहा था। उसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पश्चिमी विक्षोभ से एमपी में ठिठुरन, कई जगहों पर हो सकती है बारिश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश में ठंड ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। पचमढ़ी में तापमान 1 डिग्री सेल्सियस के भी नीचे पहुंच गया। यहां न्यूनतम तापमान 0.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। राजगढ़ में 1.6, शाजापुर में तापमान 2 डिग्री सेल्सियस तो वहीं सीहोर में 2.7 और भोपाल में 3.6 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड हुआ है।

प्रदेश के अन्य जिलों में भी कड़ाके की सर्दी महसूस हुई। उत्तर भारतीय राज्यों से आ रही बर्फीली हवाओं ने ठिठुरन की स्थिति निर्मित कर दी है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले एक-दो दिनों तक मौसम इसी तरह बन सकता है। हालांकि, 10 जनवरी के बाद तेज ठंड से थोड़ी राहत जरूर मिल सकती है।

घने कोहरे और शीत लहर का यहां दिखा असर

बुधवार को भोपाल, शाजापुर, राजगढ़ और सीहोर में तीव्र शीत लहर चली। रतलाम, सिवनी मालवा और नीमच में भी शीत लहर का प्रभाव दिखाई दिया। ग्वालियर में दृश्यता घटकर 100 मीटर तक रह गई। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार 10 जनवरी तक प्रदेश में कहीं-कहीं बारिश भी हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार 10 जनवरी को एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत में पहुंच सकता है। उसके प्रभाव से एमपी के मौसम में कुछ बदलाव देखने को मिलेगा और प्रदेश से कुछ हिस्सों में बारिश भी हो सकती है।

एमपी में न्यूनतम तापमान तोड़ रहा रिकॉर्ड

एमपी के अन्य जिलों के न्यूनतम तापमान की बात करें तो मंडला में 5.1, बालाघाट में 5.5, उमरिया में 5.5, टीकमगढ़ में 6.5, जबलपुर में 7, उज्जैन में 6, रतलाम में 5.8, रायसेन में 5.1, गुना में 5.4, ग्वालियर में 6.6 और भोपाल में 3.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। प्रदेश की प्रमुख जिलों की न्यूनतम तापमान को देखा जाए तो अब तक के सारे रिकॉर्ड टूट गए हैं। राजगढ़ में सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए पारा 1.6 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया यह अब तक की मध्य प्रदेश में सबसे बड़ी गिरावट है।

अधिकतम टेंप्रेचर

वहीं अधिकतम तापमान में भी गिरावट आई है। प्रदेश में सबसे कम अधिकतम तापमान रीवा में 29.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। बालाघाट में 20 डिग्री सेल्सियस, जबलपुर में 21.2, उज्जैन में 24.5, पचमढ़ी में 22, इंदौर में 24.5, भोपाल में 22 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज हुआ है।

यहां जारी हुआ अलर्ट

मौसम विभाग ने गुरुवार को राजगढ़ जिले में शीत लहर चलने और शीतल दिन रहने की चेतावनी जारी की है। भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल और शाजापुर जिलों में शीत लहर चल सकती है। वहीं ग्वालियर, दतिया, भिंड और मुरैना जिलों में घना कोहरा छाए रह सकता है। सिंगरौली, रीवा, सीधी, मऊगंज, सतना, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, मंदसौर और नीमच जिलों में शीतल दिन रह सकता है। इन जिलों में मध्यम कोहरा भी छाए रह सकता है। इसके अलावा अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, कटनी और मैहर जिलों में भी कोहरा छाए रहने की चेतावनी जारी की गई है।

श्री वैष्णव पॉलिटेक्निक महाविद्यालय को अपने गौरव के अनुरूप नये स्वरूप में स्थापित किया जाएगा

नया भवन बनेगा- नये पाठ्यक्रम शुरू होंगे- फैकल्टी की नई भर्ती भी होंगी

◆ संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर के श्री वैष्णव पॉलिटेक्निक महाविद्यालय को अपने गौरव के अनुरूप नये स्वरूप में स्थापित किया जाएगा। इसके लिए विस्तृत मास्टर प्लान तैयार कर कार्य कराये जाएंगे। महाविद्यालय का नया भवन बनाया जाएगा। इसमें सभी एकेडमिक और प्रशासनिक सुविधाएं रहेंगी। महाविद्यालय में नये पाठ्यक्रम भी शुरू किये जाएंगे। फैकल्टी की नई भर्ती भी की जाएगी। यह जानकारी आज यहां संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई श्री वैष्णव सहायक कपड़ा मार्केट टेक्निकल एज्युकेशन सोसायटी की 59वीं बैठक में दी गई।

बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती ज्योति शर्मा, अध्यक्ष प्रबंध समिति श्री पुरूषोत्तम दास पसारी, प्रभारी प्राचार्य श्री एस.एस. शर्मा सहित अन्य सदस्य मौजूद थे। बैठक में इंदौर के श्री वैष्णव पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के संचालन के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। बताया गया कि इस संस्थान का भवन भी पुराना हो गया है। फैकल्टी भी कम हो गई है। सुविधाएं भी धीरे-धीरे कम हो रही हैं। इन सबके मद्देनजर इस संस्थान की निर्धारित सीटों में भी कमी की गई है। संस्थान की साख भी कम होती जा रही है। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि श्री वैष्णव पॉलिटेक्निक महाविद्यालय का नया भवन बनाया जाए। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने पूर्नघनत्वीकरण योजना के तहत प्रस्ताव तैयार किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में श्री वैष्णव कपड़ा मार्केट ट्रस्ट के सहयोग से नये स्व-वित्त पाठ्यक्रम प्रारंभ किये जाए। सीटों की संख्या बढ़वाई जाए। नई फैकल्टी की नियुक्ति भी की जाए। महाविद्यालय के अक्षम फैकल्टी तथा कर्मियों की अनिवार्य सेवानिवृत्ति के प्रस्ताव तैयार कराये जाए। यह सेवानिवृत्ति सामान्य प्रशासन विभाग के सेवा काल के 20 वर्ष तथा आयु के 50 वर्ष के निर्धारित नियमानुसार तैयार किये जाए। उन्होंने महाविद्यालय की कार्यप्रणाली में तेजी से सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय की साख को पुनः स्थापित किया जाए। उन्होंने महाविद्यालय के एक व्याख्याता श्री परेश सांवलिया के विरूद्ध लम्बे समय से लंबित कदाचरण की जांच को एक माह में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अगर एक माह में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करने पर जांच समिति के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि महाविद्यालय में यह सुनिश्चित किया जाए कि पाठ्यक्रम में निर्धारित सीट के अनुरूप दाखिला हो। सीट रिक्त रहने पर संबंधित पाठ्यक्रम के विभागाध्यक्ष और फैकल्टी के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी।

युवा राजपूत सम्राट सेना का मिलन समारोह 12 को

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। हर वर्ष की तरह इस साल भी युवा राजपूत सम्राट सेना, इंदौर का वार्षिक पारिवारिक मिलन समारोह प्रथम माह के द्वितीय रविवार 12 जनवरी को आयोजित किया गया है, जिसमें राजपूत समाजजनों के साथ ही अन्य गणमान्य नागरिक शामिल होंगे।

जानकारी देते हुए सेना के संभागीय अध्यक्ष डॉ भरतसिंह राठौड , संस्थापक महेंद्र सिंह निकुंम,जिला अध्यक्ष कल्याणसिंह तोमर राकेश सिंह राठौड़ मनोज सिंह राठौड़, संगठन मंत्री उदय सिंह चौहान,और गोविंदसिंह सिसोदिया ने बताया कि सभी समाजजनों को एकजुट करने के लिए युवा राजपूत सामाजिक उत्थान एवं सेवा समिति के द्वारा न्याय नगर पुलिया के समीप राजपूत धर्मशाला में यह मिलन समारोह आयोजित किया जा रहा है। आयोजन को लेकर सेना के पदाधिकारियों और सदस्यों द्वारा कई दिनों से तैयारियां की जा रही है, जो अब अंतिम चरण में है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायक रमेश मेंदोला, सुश्री उषा ठाकुर, महापौर पुष्यमित्र भार्गव और समाजसेवी सुरेशसिंह भदौरिया शामिल होंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ आयोजन की शुरूआत होगी। वहीं पुरस्कार वितरण के पश्चात सभी समाजजनों के लिए स्नेहभोज भी रखा गया है। सेना के सभी पदाधिकारियों ने समाजजनों से कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया है।

जगह-जगह चली यातायात सुधार की मुहिम

यातायात में बाधक दुकानों के शेड, अतिक्रमण, ओटले और अन्य बाधाएं हटाई गई- फुटपाथ पर रखे सामान भी किए गए जप्त

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह एवं नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर आज इंदौर शहर में यातायात को सुगम बनाने जगह-जगह मुहिम चलाकर कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा पुलिस, नगर निगम, यातायात पुलिस आदि के सहयोग से की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में यातायात में बाधक दुकानों के शेड, अतिक्रमण, ओटले और अन्य बाधाएं हटाई गई। फुटपाथ पर रखे सामान भी जप्त किए गए। बताया गया कि आज झोन 15 में रंजीत हनुमान मंदिर से स्कीम नम्बर 71 सेक्टर B मेन रोड़ तथा रंजीत हनुमान मंदिर से आदित्य हॉस्पिटल तक मेन

रोड पर ट्रैफिक के सुगम आवागमन हेतु संयुक्त कार्यवाही की गई। जिसमें संयुक्त दल द्वारा दुकानों , मकानों, सड़क पर अव्यवस्थित रूप से खड़े वाहनों पर चालानी कार्रवाई की गई। दल द्वारा फुटपाथ पर रखे एक ट्रक सामान को जप्त किया गया। साथ ही 15 दुकानों के शेड के अतिक्रमण हटाये गए। ट्रैफिक विभाग द्वारा लगभग 50 वाहनों को चेतावनी दी गई। संयुक्त कार्यवाही में एसडीएम श्रीमती सीमा मौर्य, निगम से झोनल अधिकारी श्री सुनील सिंह जादौन , एआरओ श्री सुरेंद्र खरे, सहायक श्री सर्वेश तिवारी, अतिक्रमण रिमूवल दस्ते से श्रीराजेंद्र यादव उपस्थित थे। इसी तरह यातायात सुधार एवं यातायात को सुगम बनाने की दृष्टि से झोन क्रमांक 02 में राजमोहल्ला झोन के अन्तर्गत मच्छी बाजार से दरगाह चौराहा तक ओटले और फुटपाथ से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। इस कार्रवाई में दुकानों के बाहर फुटपाथ से अस्थायी निर्माण हटाये गए एवं सड़क से लगभग 02 ट्राले सामान जब्त किये गए। दुकानों के बाहर सामान रखने पर कुल 17 हजार 500 रुपये की चालानी कार्यवाही भी की गई। संयुक्त कार्यवाही में एसडीएम श्री राकेश परमार, यातायात थाना प्रभारी सीमा भंडारी, नगर निगम जोनल अधिकारी श्री विनोद अग्रवाल, सहायक श्री मयंक बेतव एवं रिमूवल प्रभारी श्री विनीत तिवारी सहित निगम की टीम एवं यातायात की टीम उपस्थित रही।

आज इंदौर आएंगे केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी इंदौर-खंडवा रोड का करेंगे निरीक्षण

इंदौर। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के गुरुवार को इंदौर आने की संभावना है। बताया जा रहा है कि गडकरी इंदौर पहुंचने के बाद हेलिकॉप्टर से इंदौर-अकोला फोर-लेन हाईवे परियोजना के तहत निर्माणाधीन तेजाजी नगर-बलवाड़ा सेक्शन का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद वे पीथमपुर के लिए रवाना होंगे,

जहां वे नेट्रैक्स द्वारा आयोजित बाहा इंडिया कार्यक्रम में शामिल होंगे।

पीथमपुर से लौटकर गडकरी दोपहर में ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में चल रही नेशनल हाईवे परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे। इस बैठक में इंदौर और आसपास के प्रोजेक्ट इम्प्लिमेंटेशन यूनिट के परियोजना निदेशक भी शामिल होंगे। बैठक के दौरान इंदौर की पश्चिमी रिंग रोड समेत अन्य परियोजनाओं में प्रदेश सरकार की ओर से आ रही अड़चनों के बारे में उन्हें जानकारी दी जाएगी। गडकरी इंदौर में नाथ मंदिर के दर्शन के लिए भी जाएंगे। सूत्रों के अनुसार, मंत्री सुबह विमान से नई दिल्ली से इंदौर पहुंचेंगे। हाईवे निरीक्षण और समीक्षा बैठक के बाद वे शाम को इंदौर से नागपुर के लिए रवाना होंगे। हाईवे निरीक्षण के दौरान एनएचएआई के अधिकारी भी उनके साथ मौजूद रहेंगे, जो उन्हें इंदौर यूनिट द्वारा बनाए जा रहे हाईवे के संबंध में विस्तृत जानकारी देंगे।

जॉय-राइड पर दिव्यांग बच्चे पहुंचे इंदौर

मुख्य न्यायाधीश श्री कैत ने हवाई टिकिट देकर फ्लाइट से किया रवाना

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की पहल पर जबलपुर के 5 दिव्यांग बच्चों की जॉय-राइड की इच्छा आज पूर्ण हुई। यह बच्चे जबलपुर से इंडिगो की उड़ान से इंदौर पहुंचे हैं। इन बच्चों को जबलपुर एयरपोर्ट पर मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री सुरेश कुमार कैत ने हवाई टिकिट प्रदान कर रवाना किया। ये सभी बच्चे इंदौर शहर का भ्रमण करेंगे। इस दौरान बच्चे इंदौर के राजवाड़ा और चिड़िया घर का भ्रमण करेंगे, 56 दुकान के पकवानों का जायका लेंगे और खजराना गणेश मंदिर में दर्शन करेंगे। हवाई यात्रा में आने-जाने के दौरान इन बच्चों का ध्यान रखने के लिये 2 शिक्षक, 2 अभिभावक और 2 जे.जे.सी. सदस्य साथ हैं। न्यायिक एकेडमी जबलपुर में आयोजित दिव्यांग बच्चों की सुरक्षा के लिये आयोजित "संवाद" कार्यक्रम में न्यायमूर्ति श्री आनंद पाठक एवं किशोर न्यायालय सचिव की उपस्थिति में दिव्यांग बच्चों ने फ्लाइट द्वारा यात्रा की मंशा जाहिर की थी। उनकी इस इच्छा को पूर्ण करने के लिये सामाजिक न्याय विभाग द्वारा दिव्यांग बच्चों को हवाई यात्रा करायी जा रही है। इन बच्चों में सोनिया रखिया, प्रिया जैन, अमर, पंचमलाल पटेल और मंयक दुबे शामिल है।

नगर पालिका निगम इंदौर के स्वास्थ्य विभाग की वार्षिक उपलब्धि

निगम सीमा क्षेत्र के 22 झोनों में 25 स्वीपिंग मशीनों द्वारा नियमित रूप से सफाई कार्य किया गया

◆ सार्वजनिक व दार्शनिक स्थलों पर सफाई की व्यवस्था की गई

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। नगर पालिका निगम इंदौर के स्वास्थ्य विभाग द्वारा विगत वर्ष की उपलब्धियों का विवरण देते हुए बताया गया है कि निगम सीमा क्षेत्र के 22 झोनों में 25 स्वीपिंग मशीनों की सहायता से सफाई कार्य प्रतिदिन नियमित रूप से किया गया, जो आज भी जारी है। मुख्य मार्गों पर स्थित भवनों, दीवारों, पैदल मार्गों पर सफाई-धुलाई का कार्य भी नियमित रूप से किया जाकर आज भी किया जा रहा है। शहर के पर्यटन स्थल व सार्वजनिक स्थलों, गार्डनों, दार्शनिक स्थलों पर भी साफ-सफाई की विशेष व्यवस्था की गई है। इसमें फुटपाथों की सफाई व्यवस्था भी शामिल है।

इसी प्रकार महापौर टास्क फोर्स का गठन किया जाकर 42 कर्मचारियों द्वारा दल बनाकर शहर के विभिन्न वार्डों में विशेष साफ-सफाई की व्यवस्था के साथ-साथ उनके सौन्दर्यीकरण का कार्य सतत किया गया, वह आज भी जारी है। सार्वजनिक मार्गों पर आयोजित कार्यक्रमों, बारात, जुलुस के दौरान होने वाली गंदगी को नियंत्रित करने के साथ-साथ जन जागरूकता अभियान भी चलाया गया था। सफाई मित्रों की कमी को भी दूर किया जाकर सफाई व्यवस्था को सुचारू रूप से संपन्न किया गया था। मच्छरों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु फागिंग मशीन से धुआं व सीकर पंप के माध्यम से कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव करवाया जाकर डेंगू एवं लार्वा की रोकथाम की गई तथा यह कार्य आज भी निरन्तर जारी है। औषधीय का छिड़काव भी किया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा शहर के वाणिज्यिक संस्थानों, होटल, अस्पताल, मैरिज गार्डन व अन्य संस्थानों से वर्ष 2024-2025 में 52 लाख 47 हजार 995 की वसूली की गई, जिसे निगम कोष में जमा करवाया गया है। प्लास्टिक के उपयोग पर भी सतत निगरानी की गई थी, जो आज भी की जा रही है। अमानक स्तर के प्लास्टिक के उपयोग पर 13 हजार 895 चालान बनाये गए, जिसमें 55 लाख 51 हजार 800 रुपये का अर्थदंड वसूला गया है। जन जागरूकता हेतु 'मैं भी झोलाधारी हूं' कपड़े का उपयोग करने हेतु अभियान चलाया गया।

नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्पॉट फाइन भी किए गए हैं। गंदगी करने पर स्पॉट फाइन की संख्या 15 हजार 200 है, जिसमें एक करोड़ 18 लाख 32 हजार 250 रुपये की वसूल किये गए। थूकने पर 6 हजार 507 चालान बनाए जाकर 7 लाख 81 हजार 590 रुपये वसूल किये गए। परिवहन के 2 हजार 457 चालान बनाये जाकर 20 लाख 12 हजार 900 रुपये की वसूली की गई। ओपन यूरिन के 1840 चालान बनाकर 1 लाख 80 हजार 440 रुपये वसूल किए गए। कचरा जलाने पर 46 चालान के माध्यम से 22 हजार 950 रुपये वसूल किये गए। अन्य मामलों में भी 3 हजार 600 चालानी कार्यवाही के माध्यम से 40 लाख 23 हजार 450 रुपये की वसूली की गई। इस प्रकार कुल 43 हजार 545 चालान बनाए गए थे, जिनमें कुल 2 करोड़ 44 लाख 5 हजार 380 रुपए वसूल किए गए। इसी तरह शहर को पशु मुक्त किए जाने के क्रम में सूअर उन्मूलन दल का एवं मृत पशुओं को यथा समय उठाने का कार्य सतत जारी है। गंदगी फैलाने पर भी प्रभावी नियंत्रण रखा जा रहा है।

90 लाख से अधिक महत्वपूर्ण दस्तावेज और रिकॉर्ड्स का डिजिटलीकरण होगा

इंदौर। इंदौर नगर निगम ने बुधवार को दस्तावेजों के डिजिटलाइजेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस परियोजना के तहत एक साल में नगर निगम के 90 लाख से अधिक महत्वपूर्ण दस्तावेज और रिकॉर्ड्स का डिजिटलीकरण किया जाएगा। डिजिटलाइजेशन प्रक्रिया में दस्तावेजों को संबंधित विभाग से प्राप्त कर स्कैन किया जाएगा। यदि किसी दस्तावेज में त्रुटि पाई जाती है तो उसे सुधारा जाएगा। इसके बाद, डेटा एंट्री की जाएगी और स्कैन किए गए पेज की पीडीएफ तैयार कर पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा, जिससे रिकॉर्ड कभी खराब नहीं होंगे। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, पूर्व महापौर कृष्ण मुरारी मोघे, डॉ. उमा शशि शर्मा, सभापति मुन्ना लाल यादव, महापौर पुष्यमित्र भार्गव समेत कई अन्य लोग उपस्थित थे।

MPPSC ऑफिस परिसर में जमकर तोड़फोड़... पेट्रोल डालकर पुतला फूंका

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर के MPPSC ऑफिस परिसर में जमकर तोड़फोड़ की गई। यहां पहुंचे प्रदर्शनकारियों ने पेट्रोल डालकर पुतला फूंका। मौके पर पहुंची पुलिस ने कुछ लोगों को पकड़ा और उनके खिलाफ तोड़फोड़ और अन्य धाराओं में कार्रवाई की। कुछ आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

संयोगितागंज पुलिस ने विक्रम सिंह, तेज, अंकित, यशराज, राज, सौरभ और अन्य पर कार्रवाई की है। उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी लोक सेवा आयोग की परीक्षा से जुड़े मामले में बिना अनुमति के सोमवार को प्रदर्शन करने पहुंचे थे। प्रदर्शनकारी पेट्रोल लेकर आए थे, जिसे उन्होंने एक पुतले में डालकर आग लगा दी। इसके बाद, उन्होंने परिसर में रखे गमलों को गिरा दिया और फेंका। इस दौरान पुलिस ने पीछा कर कुछ लोगों को पकड़ा और एक कार भी जब्त की। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से धरना-प्रदर्शन और नारेबाजी की अनुमति के बारे में पूछा, लेकिन वे कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। इस मामले में आरोपियों के खिलाफ आगजनी और अन्य धाराओं में कार्रवाई की गई।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन विभाग द्वारा एक लाख 69 हजार 609 पेंशनर्स हितग्राहियों को 7123.58 लाख रुपये दिये गये

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर जिले में बीते वर्ष एक लाख 69 हजार 609 हितग्राहियों को 7123.58 लाख रुपये की पेंशन उपलब्ध कराई गई। इंदौर जिले में विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग इंदौर के संयुक्त संचालक द्वारा मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के अंतर्गत बीते वर्ष की उपलब्धियों, भौतिक वित्तीय प्रगति के विषय में बताया गया है कि गत वर्ष 2024 में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के माध्यम से 27 हजार 760 हितग्राहियों को 600 रुपये प्रतिमाह के हिसाब कुल 1165.92 लाख रुपये दिये गये। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना में 13 हजार 295 हितग्राहियों को 600 रूपये प्रतिमाह के हिसाब से 558.39 लाख रुपये प्रदत्त किये गये। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्त पेंशन योजना में 1205 हितग्राहियों को 600 रूपये प्रतिमाह के हिसाब से रूपये 50.61 लाख रुपये प्रदत्त किये गये। कन्या अभिभावक पेंशन योजना के 4244 हितग्राहियों को 600 रुपये के हिसाब से 178.248 लाख रुपये दिये गये। मंदबुद्धि/बहुविकलांग आर्थिक सहायता में 600 रूपये प्रतिमाह के हिसाब से 2881 हितग्राहियों को रूपये 121.002 लाख रुपये प्रदत्त किये गये। समग्र सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत सामाजिक सुरक्षा वृद्धावस्था पेंशन योजना में 600 रूपये प्रतिमाह के हिसाब से 39 हजार 734 हितग्राहियों को 1668.828 लाख रुपये दिये गये। सामाजिक सुरक्षा परित्यक्ता पेंशन योजना में 600 रूपये प्रतिमाह के हिसाब से 648 हितग्राहियों को 27.216 लाख रुपये दिये गये। सामाजिक सुरक्षा निःशक्त पेंशन योजना में 600 रूपये प्रतिमाह के हिसाब से 10 हजार 580 हितग्राहियों को 444.36 लाख रुपये प्रदत्त किये गये। सामाजिक सुरक्षा दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन योजना में 600 रूपये प्रतिमाह के हिसाब से 2133 हितग्राहियों को 89.586 लाख रुपये दिये गये। सामाजिक सुरक्षा कल्याणी पेंशन योजना में 600 रूपये प्रतिमाह के हिसाब से 66 हजार 855 हितग्राहियों को 2807.91 लाख रुपये दिये गये। मुख्यमंत्री अविवाहित पेंशन योजना में 600 रूपये प्रतिमाह के हिसाब से 274 हितग्राहियों को 11.508 लाख रुपये दिये गये। कुल पेंशनर्स हितग्राही एक लाख 69 हजार 609 थे, जिन्हें 7123.58 लाख रुपये प्रदत्त किये गये।

इसी प्रकार राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना में 20 हजार रूपये प्रतिमाह के हिसाब से 225 हितग्राहियों को 45 लाख रुपये दिये गये। मुख्यमंत्री निःशक्त विवाह योजना में एक लाख रुपये एवं दो लाख रुपये के हिसाब से 10 हितग्राहियों को 16 लाख रुपये प्रदत्त किये गए। मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह योजना में दो लाख रूपये के हिसाब से पाँच हितग्राहियों को 10 लाख रुपये दिये गये। कृत्रिम अंग सहायक उपकरण वितरण योजना में तीन वर्ष में एक बार में 89 हितग्राहियों को 28 लाख रुपये दिये गये।

चार फर्जी एडवाइजरी सेंटर पर पुलिस की रेड, 130 लड़के-लड़कियों को पकड़ा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन। उज्जैन की क्राइम ब्रांच पुलिस ने बुधवार को शहर के चार अलग-अलग इलाकों में चल रहे फर्जी एडवाइजरी कॉल सेंटर पर छापा मारा है। पुलिस ने यहां से 130 युवक-युवतियों को हिरासत में लिया है।

इन फर्जी एडवाइजरी सेंटर्स पर इन्वेस्टमेंट के नाम पर लोगों को ठगने का आरोप है। यहां लोगों के डीमेट अकाउंट खुलवाकर उनमें घाटा दिखाकर उनके रुपए हड़प का काम हो रहा था। पुलिस ने आशंका जताई है कि इन सेंटर्स पर करोड़ों रुपए के ट्रांजैक्शन हुए हैं। एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि शहर के माधव नगर थाना क्षेत्र में दो स्थानों और नील गंगा थाना क्षेत्र में दो स्थानों पर चल रहे फर्जी एडवाइजरी कॉल सेंटर पर कार्रवाई की गई। इसमें बड़ी संख्या में युवक और युवतियां काम करते हुए पकड़ी गई हैं। इनकी भूमिका की जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि चारों फर्जी एडवाइजरी इन्वेस्टमेंट के नाम पर भारी मात्रा में कमीशन लेती थीं। इस काम के लिए यहां काम करने वाले लड़कों और लड़कियों को 10 रुपए प्रति ट्रांजैक्शन पर अलग से कमीशन भी मिलता था। एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि जांच अभी जारी है। फिलहाल ज्यादा खुलासा नहीं किया जा सकता।

महाकुंभ में यात्रियों के लिए 40 ट्रेनें

भोपाल। 13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज में हो रहे महाकुंभ को लेकर रेलवे ने भी यात्रियों का ख्याल रखा है। रेलवे कुंभ जाने वाले मध्य प्रदेश के यात्रियों की सुविधा के लिए 40 ट्रेन चलाने जा रहा है। इनमें से ज्यादातर ट्रेनों में सीटें उपलब्ध हैं, जबकि कुछ ट्रेनों में वेटिंग भी है। ये ट्रेनें मध्य प्रदेश के 35 से ज्यादा स्टेशनों से गुजरेंगी। रेलवे के अधिकारियों के मुताबिक मध्य प्रदेश से भी लाखों लोग प्रयागराज कुंभ में शामिल होंगे। अब तक घोषित 40 ट्रेनों में से 14 से ज्यादा ट्रेनों में स्लीपर, थर्ड एसी और सेकेंड एसी में सीटें उपलब्ध हैं। रेलवे ने 8 ट्रेनों को नैनी स्टेशन पर भी स्टॉपेज दिया है।

राजभवन में हुई शासकीय विश्वविद्यालय के कुलगुरुओं की बैठक

विश्वविद्यालय क्षेत्रीय संसाधनों और परिवेश की संभावनाओं को पहचाने : राज्यपाल श्री पटेल

वर्तमान की मांग और भावी संभावनाओं पर कार्ययोजना तैयार करें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय की व्यवस्थाओं में उच्च गुणवत्ता को लक्ष्य बनाए। लक्ष्य और प्राप्ति के प्रयासों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में विश्वविद्यालयों को पर्याप्त स्वायत्ता दी गई है। जरूरी है कि कुलगुरू अपनी क्षमताओं, विश्वविद्यालय के संसाधनों और आस-पास के परिवेश के अनुसार विकास की संभावनाओं की पहचान करें।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में अपने सीमित दायरे से बाहर निकलें। वर्तमान की मांग और भविष्य की संभावनाओं पर कार्ययोजना तैयार करें। उन्होंने उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि टॉस्क फोर्स बना कर समय-सीमा में सभी विश्वविद्यालयों की कार्ययोजना तैयार कराई जाए। राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को राजभवन में आयोजित शासकीय विश्वविद्यालयों के कुलगुरूओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल और पशुपालन एवं डेयरी विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सभी विश्वविद्यालय बहु विषयक आत्मनिर्भर विश्वविद्यालय बनें। परम्परागत विषयों के साथ ही मांग आधारित और रोजगार की उच्च संभावनाओं वाले कोर्स प्रारंभ करने विशेष प्रयास करें।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रदान स्वायत्ता के आधार पर व्यवस्थाओं को सुचारू बनाएं। विद्यार्थियों को प्रवेश की सुविधा, उत्कृष्ट शिक्षा, समय पर परीक्षा और तत्काल परिणाम घोषणा के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाए। परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के ऑनलाइन मूल्यांकन की व्यवस्था को बढ़ावा दें। इसी तरह प्रवेश के समय ही अंकसूची और डिग्री वितरण के लिए आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा किया जाए, जिससे विद्यार्थियों के डीजी लॉकर में उनकी त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित हो। बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि परीक्षाओं का प्रभावी, पारदर्शी और निष्पक्ष संचालन जरूरी है। डिजिटल वैल्यूएशन विद्यार्थी हितों के अनुकूल है। विश्वविद्यालय परीक्षा मूल्यांकन संबंधी कार्यों में आधुनिक तकनीक का बेहतर इस्तेमाल करें। समय पर परीक्षा परिणाम तैयार करने के लिए डिजिटल वैल्यूएशन प्रणाली की संभावनाओं को तलाशा जाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में राशियों के जमा करने की व्यवस्था का भी परीक्षण करें। विश्वविद्यालय के विकास में राशि के उपयोग और निवेश के संबंध में भी कार्यवाही की जाना चाहिए।

दुग्ध उत्पादकों की आय दोगुनी करने राज्य सरकार ने उठाया महत्वपूर्ण कदम

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में आज हमारा देश विश्व में दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में पहले स्थान पर और मध्यप्रदेश देश में तीसरे स्थान पर है। देश के दुग्ध उत्पादन में 57.62% की वृद्धि हुई है और यह विश्व रिकॉर्ड है। डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में दुग्ध उत्पादन का औसत 673 ग्राम है, जबकि राष्ट्रीय औसत 471 ग्राम से अधिक है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने भी प्रधानमंत्री श्री मोदी के विजन के अनुसार ही प्रदेश के दुग्ध उत्पादकों की आय दोगुनी करने एवं दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एम.पी. स्टेट को-ओपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड एवं संबद्ध दुग्ध संघों तथा राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के बीच सहकार्यता अनुबंध (कोलेबोरेशन एग्रीमेंट) किया गया है। इसे मंत्रि-परिषद ने भी मंजूरी दे दी है। अनुबंध की अवधि 5 वर्ष होगी, जिसका आपसी सहमति से विस्तार किया जा सकेगा।

पांचवीं की छात्रा से चपरासी ने की छेड़छाड़

राजगढ़। जिले के माचलपुर कस्बा के एक निजी स्कूल में चपरासी (चतुर्थश्रेणी कर्मचारी) ने पांचवीं कक्षा की छात्रा से छेड़छाड़ की। परिजन की शिकायत पर आरोपी चपरासी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि इस मामले को छुपाने के आरोप पर में स्कूल की प्राचार्य के विरुद्ध भी प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि मामला माचलपुर स्थित एक निजी स्कूल का है। छात्रा रोज की तरह स्कूल गई थी। उसकी परीक्षा थी। इस दौरान वह क्लास से बाहर निकली, तो वहां मौजूद चपरासी ने छात्रा के साथ छेड़छाड़ कर दी। छात्रा के विरोध करने पर वह उसको जबरन एक कमरे में ले जाने लगा। उसने खुद को जैसे-तैसे उससे खुद को छुड़ाया। उसके बाद शिकायत करने के लिए सीधे प्राचार्य के कक्ष में चली गई।

विरोध के बाद भी हिंदू बना फिरोज

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

खंडवा। दुबे कालोनी निवासी एक मुस्लिम युवक ने बुधवार को महादेवगढ़ मंदिर में पंडितों के मंत्रोच्चार के साथ हिंदू धर्म अपना लिया। फिरोज पुत्र अकरम ने सनातन धर्म में आस्था रखते हुए घर वापसी की।अब वह राहुल सनातनी के नाम से पहचाना जाएगा। महादेवगढ़ मंदिर बुधवार दोपहर करीब दो बजे फिरोज से राहुल बने 35 वर्षीय युवक ने हवन-पूजन के साथ भगवान शिव का अभिषेक किया। महादेवगढ़ संरक्षक अशोक पालीवाल ने बताया कि फिरोज का लंबे समय से हिंदू धर्म के प्रति लगाव था। इस कारण उसे अपने परिवार और समाजवालों के विरोध का भी सामना करना पड़ा। इस विरोध के चलते वह इंदौर चला गया था। करीब आठ दिन पहले वह हमारे संपर्क में आया। उसने घर वापसी की इच्छा जताई। फिरोज ने कहा कि सनातन धर्म में सभी के सुख की कामना और निर्माण है। इसी वजह से उसने हिंदू धर्म अपनाया है।मंदिर पुजारी पंडित अश्विन खेड़े ने गोबर, गोमूत्र सहित दस प्रकार के द्रव्य से स्नान कराकर मुंडन कर्म कराया।इसके साथ पूजन कर प्रायश्चित हवन कराया।

शंकराचार्य बोले-'हम अगर आपकी मस्जिद में जाएं तो मत जाने देना'

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

जबलपुर। जबलपुर पहुंचे द्वारका शारदा पीठ के शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती ने वक्फ बोर्ड के उस दावे पर कड़ी आपत्ति जताई है। जिसमें वक्फ बोर्ड ने कुंभ मेले की जमीन पर अपना अधिकार बताया है। मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेली ने कुंभ मेले की जमीन को वक्फ बोर्ड का बताया है। जिस पर शंकराचार्य जी ने कहा कि वक्फ बोर्ड कहीं भी दावा ठोक देता है। जब उन लोगों ने हमारे देश में आक्रमण किया और कुछ समय तक शासन किया तो उस दौरान मंदिरों के अतिरिक्त काफी जगह खाली पड़ी थी, वहां पर मस्जिद बनाते, उनको कौन रोक रहा था। उस समय तो देश में उनका ही राज था।

शंकराचार्य ने कहा कि खाली स्थानों में अगर मस्जिदों का निर्माण करते तो आज ये समस्या और हालात नहीं बनते। उन्होंने कहा कि, आज हमारे प्राचीन स्थान हमें प्राप्त हो रहे हैं तो ये हमारा अधिकार है, और हम वापस लेंगे। वक्फ के दावों को लेकर शंकराचार्य जी ने यहां तक कह डाला कि अगर कोई लोकसभा में दावा कर दे तो उसे कौन मानेगा। शंकराचार्य ने कहा कि, कुंभ में धर्म का संपादन, गंगा स्नान करते हुए अपने परंपरागत तीर्थ है, जहां जाकर प्रणाम करते है, तीर्थ करते है। कुंभ हमारे लिए यज्ञ है। उन लोगों को ना तो गंगा स्नान करना है और न ही वहां पर हनुमान जी और न ही त्रिवेणी के दर्शन करना है, तो फिर वहां जाने का मतलब क्या है। शंकराचार्य जी ने कहा कि, हम अगर आपकी मस्जिद में जाते हैं, तो हमें भी मत जाने देना। प्रयागराज में होने वाले कुंभ मेले में सनातनियों ने गैर हिंदुओं पर रोक लगाने की सरकार से मांग की है। इस विषय पर शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती ने अपनी सहमति जाहिर की है। उन्होंने कहा कि जो हिंदू धर्म को नहीं मानते है, भारत माता को वंदे मातरम नहीं बोलते, इसको लेकर उन्हें अगर तकलीफ है तो फिर कुंभ में जाने का काम क्या है।

डिजिटल अरेस्ट गिरोह पकड़ाया

जबलपुर। जबलपुर में स्टेट साइबर सेल और एसटीएफ ने 12 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। प्रदेश भर की 15 टीमों ने एक साथ जबलपुर, कटनी, मैहर और सतना में रेड मारते हुए अलग-अलग स्थानों से इन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। स्टेट साइबर सेल ने बुधवार को सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश किया और पूछताछ के लिए दो सप्ताह का रिमांड लिया है। साइबर टीम ने शुरुआती जांच में पाया कि अभी तक दो करोड़ रुपए से अधिक की ठगी इन साइबर ठगों ने की थी। अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ के दौरान आरोपियों की संख्या और भी बढ़ सकती है।दोनों ही टीम इन ठगों के पीछे बीते एक माह से लगी हुई थी।

संपादकीय

दोनों देशों की सेनाओं के बीच रिश्ते पहले की तरह मजबूत

बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट के बाद भले ही भारत और बांग्लादेश के बीच रिश्तों में उतार-चढ़ाव दिख रहा हो लेकिन दोनों देशों की सेनाओं के बीच रिश्ते पहले की तरह मजबूत हैं। भारत और बांग्लादेश की सेना के अधिकारी एक दूसरे के वहां पहले की तरह ट्रेनिंग ले रहे हैं। भारतीय सेना का कई मित्र देशों के साथ डिफेंस एक्सचेंज प्रोग्राम है। इसी तरह का एक्सचेंज प्रोग्राम बांग्लादेश के साथ भी है।बांग्लादेश की सेना के अधिकारी भारत के डिफेंस इंस्टीट्यूट्स में अलग अलग तरह के कोर्स करने आते रहे हैं। साल 2019-20 में बांग्लादेश की सेना के 37 अधिकारियों ने भारत में कोर्स किया। साल 2021 -22 में 62 अधिकारियों ने, साल 2022 -23 में 52 अधिकारियों ने, साल 2023 -24 में 30 और साल 2024-25 में बांग्लादेश की सेना के 41 अधिकारियों को भारत में ट्रेनिंग दी जा चुकी है। भारतीय सेना का कैलेंडर ईयर 1 जुलाई से 30 जून तक होता है। इसलिए बांग्लादेश की सेना से अगला बैच भी 1 जुलाई के बाद आएगा। इस वक्त बांग्लादेश की दो महिला कैडेट्स भी भारत के ओटीए चेन्नै में ट्रेनिंग ले रही हैं। बांग्लादेश के अधिकारी भारतीय सेना के अधिकारियों के साथ भारत में ट्रेनिंग लेते रहे हैं तो भारतीय सेना के अधिकारी भी बांग्लादेश जाते रहे हैं। साल 2021 -22 में भारतीय सेना के 3 अधिकारी, साल 2022-23 में 3, साल 2023 -24 में 15, और साल 2024 -25 में भारतीय सेना के 11 अधिकारियों ने बांग्लादेश में अलग अलग डिफेंस से जुड़ा कोर्स किया। पिछले हफ्ते ही भारतीय सेना के तीन अधिकारी बांग्लादेश कोर्स करने के लिए रवाना हुए हैं। साथ ही भारतीय सेना के 4 अधिकारी बांग्लादेश के मिलिट्री इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में बांग्लादेशी अधिकारियों को कंप्यूटर ट्रेनिंग दे रहे हैं। हाल ही में बांग्लादेश की सरकार ने वहां के जजों और ज्यूडिशियल ऑफिसर्स के लिए भारत में आकर ट्रेनिंग लेने के एक कार्यक्रम को रद्द किया। इस ट्रेनिंग का खर्चा भारत ही वहन कर रहा था।

अर्ज किया है..!

उदासी आज भी वैसी है
जैसे पहले थी
मकीं बदलते रहे हैं मकाँ
नहीं बदला

-उबैद सिद्दीक़ी

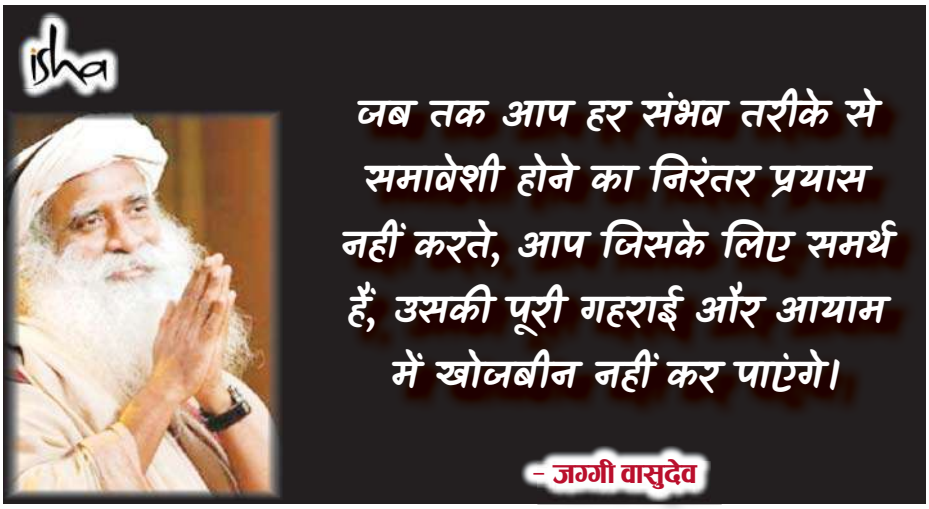

धर्म-कर्म

महाकुंभ सबसे पहली बार कब और क्यों लगा था

कुंभ से जुड़े ये रहस्य नहीं जानते होंगे आप

महाकुंभ करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का प्रतीक है। महाकुंभ सिर्फ एक मेला नहीं है बल्कि यह आस्था, परंपरा और हिंदू संस्कृति का संगम है। श्रद्धालुओं के लिए यह एक पवित्र एहसास है। जिसका इंतजार सभी श्रद्धालुओं को बेसब्री से रहता है। इस साल 13 जनवरी से लगने जा रहा महाकुंभ का मेला कई मायनों में बेहद खास होने वाला है। इस बार 144 साल बाद पूर्ण महाकुंभ लग रहा है। सरल शब्दों में समझें तो 12 साल लगातार 12 वर्षों के तक लगने के बाद पूर्ण महाकुंभ लगता है। जो 144 साल बाद आता है। महाकुंभ का आयोजन इस बार प्रयागराज में हो रहा है। इस बार महाकुंभ में क्या कुछ खास होने वाला है। इसके बारे में तो आप सभी जानते ही होंगे लेकिन, क्या आप जानते हैं महाकुंभ का इतिहास वर्षों पुराना है। महाकुंभ से जुड़े कई ऐसे रहस्य हमारे ग्रंथों में छिपे हुए हैं जिन्हें उजागर करना जरूरी है। तो आइए जानते हैं महाकुंभ से जुड़े कुछ रहस्य। साथ ही जानते हैं कब और कहा सबसे पहले हुआ था महाकुंभ का आयोजन।

कब और कहां लगा था सबसे पहले महाकुंभ ?

कुछ ग्रंथों में उल्लेख है कि सतयुग से ही इस मेले का आयोजन किया जा रहा है। हालांकि, किसी भी पुराण में विस्तार से इसके बारे में कुछ नहीं बताया गया है कि कब और कहां हुआ यह अस्पष्ट है।

कितना पुराना है महाकुंभ का इतिहास

कुछ ग्रंथों में बताया गया है कि कुंभ मेला का आयोजन 850 साल से भी ज्यादा पुराना है। आदि शंकराचार्य द्वारा महाकुंभ की शुरुआत की गई थी। कुछ कथाओं में बताया गया है कि कुंभ का आयोजन समुद्र मंथन के बाद से ही किया जा रहा है। जबकि कुछ विद्वानों का कहना है कि गुप्त काल के दौरान से ही इसकी शुरुआत हुई थी। लेकिन सम्राट हर्षवर्धन से इसके प्रमाण देखने को मिलते हैं। इसी के बाद शंकराचार्य और उनके शिष्यों द्वारा संन्यासी अखाड़ों के लिए संगम तट पर शाही स्नान की व्यवस्था की गई थी।

कुंभ मेले के आयोजन को लेकर मान्यता

हालांकि, कुछ ऐतिहासिक साक्ष्य यह भी मिलते हैं जिनसे सिद्ध होता है कि कुंभ का आयोजन राजा हर्षवर्धन के राज्य काल में आरंभ हुआ था। प्रसिद्ध चीनी यात्री ह्वेनसांग जब अपनी भारत यात्रा के बाद उन्होंने कुंभ मेले के आयोजन का उल्लेख किया था। इसी के साथ उन्होंने राजा हर्षवर्धन का भी जिक्र किया है। उनके दयालु स्वभाव के बारे में भी उन्होंने जिक्र किया था। ह्वेनसांग ने कहा था कि राजा हर्षवर्धन लगभग हर 5 साल में नदियों के संगम पर एक बड़ा आयोजन करते थे। जिसमें वह अपना पूरा कोष गरीबों और धार्मिक लोगों को दान में दे दिया करते थे।

महाकुंभ और समुद्र मंथन के रहस्य

समुद्र मंथन के बारे में शिव पुराण, मत्स्य पुराण, पद्म पुराण, भविष्य पुराण समेत लगभग सभी पुराणों में जिक्र किया गया है। मान्यताओं के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान जब अमृत कलश बाहर आया था तब देवताओं और राक्षसों के बीच तनातनी और संघर्ष को कम करने के लिए भगवान विष्णु ने मोहिनी अवतार लिया था। इसके बाद जब देवताओं और राक्षसों के बीच संघर्ष काफी ज्यादा बढ़ गया तो उन्होंने इंद्र देव के पुत्र जयंत को यह अमृत कलश सौंप दिया गया। जयंत कौवे का रूप धारण कर राक्षसों से अमृत कलश को छिनकर उड़ चले थे। जब वह घट को लेकर भाग रहे थे तो अमृत कलश से कुछ बूंदे प्रयागराज, उज्जैन , हरिद्वार और नासिक में गिर गई थी। जहां जहां अमृत कलश की बूंदे गिरी वहां-वहां कुंभ मेला का आयोजन किया जाता है।

कुंभ से जुड़े अन्य रहस्य

1. जब जयंत कौए के रूप में अमृत कलश को लेकर जा रहे थे तो उनकी जीभ पर भी अमृत की कुछ बूंदे लग गई थी। जिस वजह से कौए ही आयु लंबी होती है। ऐसा कहा जाता है कि कौए जब भी मरता है तो दुर्घटना में उसकी मृत्यु होती है।
2. अमृत कलश लेकर जब जयंत भाग रहे थे तो कुछ बूंदे प्रयाग, उज्जैन , हरिद्वार और नासिक में अमृत की बूंदे गिरी थी इसलिए यहां कुंभ किया जाता है।
3. इसके अलावा अमृत की कुछ बूंदे दूर्वा घास पर गिर गई थी। जिस वजह से दूर्वा को पवित्र माना जाता है और सर्वप्रथम पूजनीय देवता गणेशजी को अर्पित किया जाता है।

क्यों सिर्फ प्रयागराज में ही लगता है महाकुंभ?

प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ का महत्व अधिक माना गया है। दरअसल, यहां तीन पवित्र नदियों गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम है। जिस वजह से यह स्थान अन्य जगहों की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण है। बता दें सरस्वती नदी लुप्त हो चुकी हैं लेकिन, वह धरती का धरातल में आज भी बहती हैं। ऐसी मान्यता है कि जो व्यक्ति इन तीन नदियों के संगम में शाही स्नान करता है उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसलिए प्रयागराज में इसका महत्व अधिक माना जाता है।

Hyderabad

टोकन बंटने शुरू भी नहीं हुए और मच गई भगदड़, 6 की मौत...

तिरुपति, (एजेंसी) हिंदू आस्था के बड़े केंद्र तिरुपति में बड़ा हादसा हो गया. यहां भगदड़ में 6 लोगों की मौत हो गई. दरअसल, तिरुपति मंदिर के विशेष वैकुंठ द्वार दर्शन के लिए 8 स्थानों पर टोकन काउंटर बनाए गए थे. इस दौरान ही बैरागी पट्टेदा इलाके और MGM स्कूल के काउंटर पर भगदड़ मच गई. यहां हजारों लोगों की भीड़ मौजूद थी. भगदड़ में कई लोग दब गए और 6 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी. हादसे में जान गंवाने वाले लोगों में से एक महिला मल्लिका की पहचान हो गई है.

तिरुपति में हुए इस हादसे में करीब 25 लोग घायल हुए हैं, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने हादसे पर दुख जताया है. बताया जा रहा है कि टोकन के लिए बनाए गए केंद्रों पर टोकन बंटने शुरू भी नहीं हुए थे, लेकिन इससे पहले ही यहां भगदड़ मच गई और इतना बड़ा हादसा हो गया. बताया जा रहा है कि 9 जनवरी की सुबह 10 बजे सीएम चंद्रबाबू नायडू घायलों से मिलने के लिए तिरुपति के अस्पताल पहुंचेंगे.बता दें कि हर साल वैकुंठ एकादशी पर तिरुपति वैकुंठ द्वार दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ती है. देश के हर इलाके से लोग इस विशेष समय में तिरुपति के दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं. इस बार वैकुंठ द्वार दर्शन 10 जनवरी से 19 जनवरी तक होने हैं. इसके लिए ही टोकन बांटे जाने की व्यवस्था की गई थी. टोकन 9 जनवरी की सुबह से बांटे जाने थे, लेकिन इसके लिए 8 जनवरी की रात से ही लोगों की भीड़ लगनी शुरू हो गई. लोगों ने बैरागी पट्टीडा पार्क और MGM स्कूल सेंटर पर लाइन लगा ली. कुछ ही देर में 4 हजार से ज्यादा लोग इकट्ठे हो गए.

Bihar

नशे में घर पर चढ़ा दी कार, मासूम बच्चे को रौंदा, भागने की कोशिश में पलटी गाड़ी, 4 घायल

वलसाड, (एजेंसी) महाराष्ट्र के वलसाड जिले के भिलाड़-नरोली रेलवे क्रॉसिंग नजदीक कार चालक ने शराब के नशे में लापरवाही से वाहन चलाते हुए सड़क किनारे एक घर के ऊपर चढ़ा दी.

इस हादसे में कार ने घर के बाहर बैठे 5 साल के बच्चे को रौंद दिया. उसे हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई. दुर्घटना के बाद कार ड्राइवर ने भागने की कोशिश की जिसमें कार पलट गई और कार में सवार चार लोग घायल हो गए. कार ड्राइवर को सिर में गंभीर चोटें आईं है. घटना के बाद मृतक बच्चे के परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है. नशे के चलते भीषण दुर्घटना के कई मामले रोजाना सामने आते हैं. बीते दिसंबर में हैदराबाद में ऐसा ही मामला सामने आया था. यहां शराब के नशे में धुत कार ड्राइवर ने तीन बाइक सवार को टक्कर मार दी थी. इस हादसे में एक दंपति की मौत हो गई और चार अन्य लोग घायल हो गए. सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. साथ ही घायलों को इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया. न्यूज एजेंसी के मुताबिक, लैंगर हाउस पुलिस स्टेशन के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि निजी जीवन बीमा कंपनी में काम करने वाले व्यक्ति ने पहले दूसरे इलाके में एक वाहन को टक्कर मारी और बाद में भागने की कोशिश में तीन बाइक सवार को टक्कर मार दी.

Maharashtra

'कम बुद्धि' वाली बेटी का अबॉर्शन कराना चाहता था पिता, हाईकोर्ट ने खूब सुनाया

मुंबई, (एजेंसी) बंबई उच्च न्यायालय ने बुधवार को सवाल किया कि क्या मानसिक रूप से कमजोर महिला को मां बनने का कोई अधिकार नहीं है। जस्टिस आर वी घुगे और जस्टिस राजेश पाटिल की पीठ 27 वर्षीय महिला के पिता द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें इस आधार पर 21 सप्ताह के उसके भ्रूण को चिकित्सकीय रूप से समाप्त करने की अनुमति मांगी गई है कि वह मानसिक रूप से अस्वस्थ और अविवाहित है। व्यक्ति ने अपनी याचिका में कहा कि उसकी बेटी गर्भ को कायम रखना चाहती है। पीठ ने पिछले सप्ताह निर्देश दिया था कि महिला की जांच मुंबई के सरकारी जे जे अस्पताल में एक मेडिकल बोर्ड द्वारा की जाए। बुधवार को मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार, महिला मानसिक रूप से अस्वस्थ या बीमार नहीं है, बल्कि उसे 75 प्रतिशत आईक्यू के साथ सीमांत बौद्धिक विकार का सामना करना पड़ा है। पीठ ने कहा कि महिला के अभिभावक ने उसे किसी भी प्रकार का मनोवैज्ञानिक परामर्श या उपचार मुहैया नहीं कराया, बल्कि 2011 से उसे केवल दवा पर रखा। मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट में कहा गया है कि भ्रूण में कोई विसंगति नहीं है और महिला गर्भावस्था जारी रखने के लिए चिकित्सकीय रूप से फिट है।

Jharkhand

झारखंड में दर्दनाक हादसा, ट्रक ने ऑटोरिक्शा को रौंदा; स्कूली बच्चों समेत 4 की मौत

रामगढ़, (एजेंसी) बुधवार को झारखंड के रामगढ़ में दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां एक स्कूली रिक्शा और ट्रक की टक्कर में 3 बच्चों समेत चार की मौत हो गई। इस दुर्घटना के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि मामला बुधवार की सुबह का है। यहां के गोला पुलिस थाना क्षेत्र में ऑटोरिक्शा और ट्रक की टक्कर में तीन बच्चों समेत 4 लोगों की मौत हो गई।

इस दुर्घटना को लेकर जानकारी देते हुए रामगढ़ के एसपी अजय कुमार ने बताया कि स्कूल के छात्र ऑटोरिक्शा से स्कूला जा रहे थे। इस दौरान एक ट्रक ने सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी खतरनाक थी कि ऑटोरिक्शा में बैठे तीन स्कूली बच्चों समेत ड्राइवर की भी मौत हो गई। मामला रामगढ़ के गोला थाना क्षेत्र का है। यहां के गुडविल स्कूल के बच्चे रिक्शे से जा रहे थे। ऑटोरिक्शा तिरला मोड़ पर पहुंचने के बाद हादसा हो गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। इस हादसे में तीन बच्चों समेत ड्राइवर की मौत हो गई। इसके साथ ही दर्जनभर बच्चे घायल भी हुए हैं। कई घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है। घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

खेल

गेंदबाजों की टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार बुमराह

करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग अंक हासिल की

दुबई, (एजेंसी) भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में बादशाहत कायम है और उन्होंने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग अंक हासिल कर ली है। बुमराह बुधवार को आईसीसी की जारी ताजा रैंकिंग में गेंदबाजों में शीर्ष पर बरकरार हैं और उनका रेटिंग अंक 908 है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट से पहले सर्वोच्च रेटिंग अंक हासिल करने वाले भारतीय गेंदबाज बने बुमराह सिडनी में खेले गए बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के अंतिम मैच में दो विकेट लेने के कारण एक अंक का सुधार करने में सफल रहे।

जडेजा भी शीर्ष-10 में मौजूद

बुमराह पीठ में दिक्कत के कारण सिडनी टेस्ट की दूसरी पारी में गेंदबाजी करने नहीं उतरे थे। दूसरी ओर, गेंदबाजों की रैंकिंग में स्पिनर रवींद्र जडेजा संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर आ गए हैं और वह बुमराह के अलावा शीर्ष-10 में जगह बनाने वाले दूसरे गेंदबाज हैं। जडेजा के साथ नौवें स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड हैं जिन्होंने 29 स्थान की छलांग लगाई और शीर्ष-10 में पहुंच गए।

बोलैंड की लंबी छलांग, कमिंस को भी फायदा

बोलैंड ने सिडनी टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया था और दोनों पारी मिलाकर कुल 10 विकेट झटके थे। बोलैंड ने पहली पारी में 31 रन देकर चार विकेट और दूसरी पारी में 45 रन देकर छह विकेट लिए थे। बोलैंड के प्रदर्शन के दम पर ही ऑस्ट्रेलिया तीसरा टेस्ट जीतकर 10 साल बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी अपने नाम करने में सफल रहा था। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है और वह अंतिम टेस्ट में पांच विकेट लेने के दम पर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के कैगिसो रबादा एक पायदान के लाभ से तीसरे स्थान पर पहुंचे, जबकि चोटिल जोश हेजलवुड दो पायदान के नुकसान से चौथे स्थान पर खिसक गए। ऋषभ पंत के दूसरी पारी में 33 गेंद में बनाए गए 61 रन से वह बल्लेबाजी रैंकिंग में तीन पायदान की छलांग लगाने में सफल रहे और नौवें नंबर पर पहुंच गए, जबकि भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने अपना चौथा स्थान कायम रखा। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा पहली पारी में अहम शतक से तीन पायदान की छलांग लगाकर छठे नंबर पर पहुंच गए,

सिनेमा

तारक मेहता के असित मोदी ने पलक सिधवानी के आरोपों पर तोड़ी चुप्पी, कहा- बिना वजह हंगामा किया

सब टीवी का शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा लंबे वक्त से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। हालांकि, कई बार शो से जुड़े कुछ विवाद खबरों में आते रहते हैं। पिछले साल शो में सोनू का किरदार निभाने वाली पलक सिधवानी ने मेकर्स और असित मोदी पर उन्हें मानसिक रूप से परेशान करने और उनकी पेमेंट ना देना का आरोप लगाया था। वहीं, पलक सिधवानी ने शो को अलविदा भी कह दिया था। अब इन आरोपों पर शो के निर्माता असित मोदी ने बात की है। उन्होंने बताया कि पलक सिधवानी सेट पर बिल्कुल भी अनुशासन में नहीं रहती थीं। न्यूज18 से खास बातचीत में असित मोदी ने बताया कि पलक सिधवानी को शो क्यों छोड़ना पड़ा। असित मोदी ने कहा कि पलक ने बिना वजह हंगामा किया। उन्होंने इस ओर इशारा किया कि पलक सेट पर अनुशासित नहीं थीं। असित मोदी ने कहा, 'हर किसी को अनुशासन में रहकर काम करना होता है। मैं भी सब टीवी के लिए शो बना रहा हूं। मैं भी सम्मान के साथ काम करता हूं। मेरा उनके साथ कॉन्ट्रैक्ट है। इसी तरह, आर्टिस्ट का मेरे साथ कॉन्ट्रैक्ट होता है। हमें हर महीने 26 एपिसोड्स बनाने होते हैं। उसके लिए एक अनुशासन होना चाहिए। ये आपके मूड पर निर्भर नहीं कर सकता।

Highlights

1. Death toll in stampede at Andhra's Tirupati temple rises to 6, more than 40 injured
2. Why couldn't Rahul postpone Vietnam trip after Manmohan Singh's death?: Sharmishtha
3. Man arrested for vandalising Mahabharata-era Shivling in UP
4. 4 dead, several injured in stampede at Andhra's Tirupati

Rupee hits an all-time low amid strengthened dollar and volatile equities

NEW DELHI, (Agency). The Rupee fell to an all-time low on Wednesday, due to a rise in dollar rates and weakness in domestic equities.

By how much did the Rupee fall?

According to the latest data at 3:29 PM, the Rupee's value was 85.8562 to the dollar, according to Bloomberg data.

By how much did the dollar rise?

Meanwhile, the dollar index rose 0.1% amid a decline in the Chinese yuan and a 0.4% drop in the Indonesian rupiah, according to a report by news agency Reuters.

Dollar sales from state-run banks helped to limit the rupee's losses, though they weren't very aggressive,

according to the report.

What caused the Rupee to fall?

The Rupee fell due to the dollar getting stronger as the US Federal Reserve's hawkish tilt in December strengthened the dollar.

Also while the Fed has projected 50 basis points of cuts in 2025, investors are only expecting a 38 basis point cut to happen.

Apart from this, the Indian stock market has also seen volatility recently.

Both the BSE Sensex and the NSE Nifty ended flat, but are also hovering in correction territory with foreign investors having sold about $2 billion of equities and bonds this month already. This also pressured the Rupee.

Swiggy dives into 15-min food delivery race, launches separate 'Snacc' app

Mumbai, (Agency). Amid a rise in competition in delivery apps, food and grocery delivery platform Swiggy has launched a separate application, promising food delivery in 15 minutes.

The application, Snacc, was launched on January 7 and is available in select parts of Bengaluru only, according to media reports. The application is available in both iOS and Android stores. The landing page of Snacc's displays a menu in categories such as Indian breakfast, coffee, beverages, eggs and protein.

According to a report published by Moneycontrol, the food and grocery delivery platform plans to expand its latest venture into other parts of the country. The report adds that the app and offerings are learnt to have been conceptualised only around mid-December. Meanwhile, online food aggregator platform Zomato has also forayed into the quick delivery space, promising 15-minute delivery of food to its customers. As reported by Mint, the '15 mins delivery' tab shows up on the Zomato app's Explore section and provides customers with a list of food options that can be delivered in that time within 1.5 km distance. It remains unclear if the 15-minute option has been rolled out across the country. Food delivery apps in India are promising to bring food and beverages at customers' doorsteps in under 10-15 minutes, as competition for impatient consumers intensifies among digital platforms.

बैंक कर्मचारियों ने खाताधारकों के पासवर्ड बदले, फिर की लाखों की ऑनलाइन शॉपिंग

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। बैंकिंग सिस्टम का दुरुपयोग कर ग्राहकों से करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी का खुलासा हुआ है। इंदौर में आईसीआईसीआई बैंक के 4 कर्मचारियों ने मिलकर इंदौर, पंजाब, गुजरात और तेलंगाना के व्यापारियों के खातों से पासवर्ड बदलकर करोड़ों रुपए की ऑनलाइन शॉपिंग कर दी।

बिना ओटीपी बताए करंट अकाउंट से ट्रांजेक्शन की शिकायत के बाद पूरे गिरोह का खुलासा हुआ। पुलिस ने चारों आरोपियों को इंदौर, तेलंगाना और मनासा से गिरफ्तार किया गया है। डीसीपी अभिनय विश्वकर्मा के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों के नाम कमल कुमावत (28), अभिषेक मालवीय (25), स्टेनली जैकब (29) और लवदीप सिंह (21) हैं। चारों इंदौर में रहते हैं। अभिषेक मूल रूप से तेलंगाना के कागज नगर का रहने वाला है।

कमल आईसीआईसीआई विनवे वर्ल्ड ऑफिस विजय नगर में रिलेशनशिप मैनेजर है। उसके पास अलग-अलग शहरों से कस्टमर के कॉल आते थे। उसे बैंक के 'आईव्यू' सॉफ्टवेयर में कस्टमर्स के खातों के ट्रांजेक्शन के ओटीपी दिखते थे। यहीं से उसके मन में लालच जागा।

उसने सहकर्मी अभिषेक और मनासा शाखा में रिलेशनशिप मैनेजर के पद पर काम करने वाले अपने जीजा स्टेनली जैकब को साजिश में शामिल किया। तीनों ने अभिषेक की मदद से तेलंगाना सर्कल के 3 व्यक्तियों के नाम से फर्जी सिम खरीदी। इन्हीं नंबर से नई आईडी बनाई।

इसके बाद आरोपियों ने कई ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म पर आईडी बनाई और आईफोन, गेमिंग प्लेस्टेशन और ई-गोल्ड सहित करोड़ों रुपए की शॉपिंग की। यही नहीं, अपने पर्सनल लोन खाते में लाखों रुपए भी भेजकर इन्हें भी क्लोज कर दिया।

बैंक अधिकारियों ने शिकायत दर्ज कराई थी कि बैंक के कई करंट खातों से लगातार बिना ओटीपी और पासवर्ड शेयर किए राशि निकासी हो रही है। खाता धारकों ने किसी भी व्यक्ति को ओटीपी या पासवर्ड नहीं बताए थे। पुलिस ने जांच शुरू की तो कमल, अभिषेक, स्टेनली जैकब के खातों की जानकारी निकाली।

जब खाताधारकों ने शिकायतें की तो आरोपियों ने पुलिस को गुमराह करने के लिए तेलंगाना से लाई सिम वहीं नष्ट करने का फैसला किया। इस पर कमल ने पड़ोस में बढ़ई का काम करने वाले लवदीप को महंगा फोन देने का लालच दिया। इसके बाद उसे सिम नष्ट करने के लिए फ्लाइट से तेलंगाना भेजा। लवदीप ने तेलंगाना में सिम कार्ड मोबाइल में डालकर नष्ट कर दी। इससे पुलिस को यही लगा कि फ्रॉड करने वाला मुख्य सरगना तेलंगाना का है।

क्रिकेट सट्टेबाज से मिला 3.5kg सोना, 750g ज्वेलरी

ईडी ने खोला आरोपी संजय अग्रवाल का लॉकर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), इंदौर ने क्रिकेट और टेनिस सट्टेबाजी के मामले में बुधवार को लॉकर की तलाशी ली। आरोपी संजय अग्रवाल के लॉकर से 3.5 किलोग्राम सोने की सिल्लियां और 750 ग्राम आभूषण मिले हैं। इसके अलावा अन्य सामग्री भी जब्त की गई है। जब्त की गई सामग्री की कीमत 3.36 करोड़ रुपए बताई जा रही है। ईडी ने क्रिकेट/टेनिस सट्टेबाजी के संबंध में उज्जैन पुलिस की FIR के आधार पर जांच शुरू की है। ईडी ने 12 दिसंबर को

कार्रवाई की थी। जांच से पता चला कि पीयूष चोपड़ा नाम के एक व्यक्ति ने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेजों का उपयोग करके सिम कार्ड खरीदे थे। जिसका उपयोग करके बड़े पैमाने पर क्रिकेट सट्टेबाजी ऑपरेशन चलाकर अपराध की आय (पीओसी) अर्जित की।

छेड़छाड़ से रोका तो पिता और भाई को पीटा

इंदौर। एमआईजी इलाके में रहने वाली एक युवती से छेड़छाड़ करने के मामले में आरोपी को रोकने पहुंचे पिता और भाई को युवक के परिवार वालों ने बुरी तरह से पीटा। पुलिस के मुताबिक, इलाके में रहने वाली युवती की शिकायत पर पुलिस ने रोशन और उसके चाचा राजकुमार के खिलाफ छेड़छाड़ और मारपीट का केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि युवती को रोशन नाम का युवक परेशान करता था। मंगलवार शाम को युवती ने अपने पिता को यह बात बताई। इसके बाद, वह बेकरी गली में बेटे के साथ घर लौटे, जहां उन्हें रोशन के चाचा राजकुमार मिले। राजकुमार ने युवती के पिता को कहा कि उनकी बेटी को संभाल कर रखें। इस पर युवती के पिता ने उनसे तमीज से बात करने की बात कही, लेकिन राजकुमार और रोशन ने मिलकर पिता और भाई के साथ मारपीट शुरू कर दी। रोशन ने डंडा और लात-घूंसा से युवती के पिता और भाई को बुरी तरह पीटा। बाद में युवती के परिवार ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मेडिकल परीक्षण कर कार्रवाई की गई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ उचित धाराओं में मामला दर्ज किया है।

कार चोर गिरोह का पर्दाफाश

गिरवी रखने के बाद दूसरी चाबी से चुराते थे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। ट्रैफिक पुलिस के सूबेदार और जवानों ने एक कार चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। यह गिरोह कारों को गिरवी रखने के बाद दूसरी चाबी से चुराता था। पुलिस ने तीन आरोपियों को पकड़कर पहले राजेन्द्र नगर पुलिस के सुपुर्द किया, और फिर खरगोन के शैगांव पुलिस को सौंप दिया।

ट्रैफिक पुलिस के सूबेदार सुमित बिलोनिया और उनके साथ ड्यूटी करने वाले आरक्षक गिरीश पांडे को ड्यूटी के दौरान जानकारी मिली कि चोइथराम अस्पताल के पास दो संदिग्ध कारें पार्क की गई हैं, जो चोरी की हो सकती हैं। पुलिस ने कारों के पास जाकर मालिक से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन संपर्क नहीं हो पाया। जांच करने पर पता चला कि ये कारें थाना ऊन चौकी शैगांव, खरगोन से चोरी की गई थीं। एसआई परमार से संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि जीपीएस लोकेशन के आधार पर कार इंदौर में थी। सूबेदार सुमित बिलोनिया ने बताया कि चोइथराम अस्पताल के पास कारें बरामद हुईं। इसके बाद, एक अन्य जीपीएस ट्रैकिंग कार के बारे में जानकारी मिली कि वह भी चोइथराम अस्पताल की ओर लाई जा रही थी। सूबेदार सुमित बिलोनिया, हेड कांस्टेबल संजय तोमर, ट्रैफिक वार्डन शुभम मंडलई और सैनिक मुनेश ने मिलकर उस कार को रोका और तीन आरोपियों को पकड़ा। तीनों आरोपियों को राजेन्द्र नगर पुलिस के सुपुर्द किया गया, और रात में शैगांव पुलिस ने आरोपियों को अपनी हिरासत में ले लिया।

पिलर से टकराया बाइक सवार युवक, मौत

इंदौर। कनाडिया थाना क्षेत्र स्थित सेवाकुंज अस्पताल से लगी एक दिवार के पिलर से टकराने से बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई है। मृतक युवक निजी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस का विद्यार्थी था। घटना सोमवार देर रात 1.30 के आस-पास की है। बताया जा रहा है युवक महंगी बाइक पर सवार था और तेज बाइक चला रहा था। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। कनाडिया थाने के एसआइ सुरेंद्र सिंह के अनुसार मृतक दीपक(30) पिता पहलाद जाटव मूल रूप से गाडरवाड़ा जिला नरसिंहपुर का रहने वाला था। युवक यहां निजी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस का कोर्स कर रहा था। वर्तमान में युवक आलोक नगर कनाडिया में एक फ्लेट में रह रहा था। सोमवार देर रात दीपक सेमलिया चाऊ की ओर से महंगी बाइक पर सवार होकर कनाडिया की ओर आ रहा था। इस दौरान सेवाकुंज अस्पताल के पास टर्न पर अस्पताल की दिवार के पिलर से टकरा गया। टक्कर इतनी तेज थी कि युवक के सिर में गंभीर चोट आई और मौके पर ही मौत हो गई।

केमिकल से भरे टैंकर में आग लग गई

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। लसूड़िया इलाके में बुधवार को एक केमिकल से भरे टैंकर में आग लग गई। फायर ब्रिगेड के मुताबिक उन्हें सूचना मिली थी कि भोपाल

मेट्रस एबी रोड पर बुधवार शाम एक टैंकर में आग लगने की सूचना मिली थी। दमकल की गाड़ी को भेजा गया है। टीआई तारेश सोनी ने बताया कि टैंकर एक गोदाम के पास खड़ा था। रेड चर्च के पास बुधवार शाम एक सिटी बस से अचानक धुआं निकलने के बाद बस को खाली कराया गया। इसके बाद ड्राइवर और कंडक्टर ने बस से उतर कर देखा तो नीचे की तरफ से धुआं निकल रहा था। बस को एक तरफ खड़ा कर आग बुझाने का प्रयास किया गया। हालाकि इस आग को बुझाने में 10 मिनट का समय लगा। जिसमें लोगों की मदद से पानी डाला गया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9111156060 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक